NAME: NAMANDEEP SINGH
ADMN. NO.: V-19-03-028
(UG FIRST YEAR)
CATEGORY: POETRY

शुक्र कर रब्ब का तू अपने घर में हैं.....

शुक्र कर रब्ब का तू अपने घर में हैं,
पूछ उससे जो अटका सफर में हैं!
यहां बाप की शक्ल नहीं देखी,
आखरी वक़्त में कुछ लोगो ने,
बेटा हॉस्पिटल और बाप कब्र में हैं !
तेरे घर में राशन हैं साल भर का,
तू उसका सोच जो दो वक़्त की रोटी के फ़िक्र में हैं!
तुम्हें किस बात की जल्दी है गाड़ी में घूमने की,
अब तो सारी कायनात ही सब्र में हैं।
अभी भी अगर किसी भ्रम में मत रहना,
इंसानों की नहीं सुनती आजकल,
कुदरत अपने सुर में हैं ! ! !